

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 4 और 6 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 5 में किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 9 और 12 में किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए। प्रश्न 13 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1.

जल ही जीवन है, जल को बचा लेना जैसे भावी जीवन को बचा लेना है। गर्मी बढ़ने के साथ ही जल की जरूरत और अधिक महसूस की जाती है। जल-संकट के मौजूदा हालात को देखते हुए जल आपूर्ति के विकल्प के रूप में तरण-तारिणी तालाब के महत्व को आज समझने की जरूरत है। जब देश में बड़े-बड़े बाँध अस्तित्व में नहीं थे, तब तालाब ही हमारे सिंचाई का एकमात्र साधन थे। वायु प्रवाह एवम् पर्यावरण के संतुलन की भूमिका में तालाब सहायक रहे हैं। आज जल-प्रबंधन और जल संचयन के हार्वेस्टिंग सिस्टम की जो दलीलें दी जाती हैं वह तालाब की संरचना है। तालाब हमारे जल सरोकार के परंपरागत साधन रहे हैं, उसे और अधिक बृहत् और विकसित रूप देकर इस साधन का अधिकाधिक लाभ ले सकते हैं। बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए यदि जल आपूर्ति का वास्तविक चिंतन करें तो तालाब को सुविधा के सागर के रूप में देख सकते हैं। लोक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता मिले यह समय की जरूरत है। भोपाल का रानी सागर हो, या पांडु महल को आकार देता विशाल सरोवर अथवा रायपुर को दर्शनीय बनाता बूढ़ा तालाब, सौन्दर्यीकरण का इससे बेहतर मिसाल वह भी इसके नैसर्गिक रूप में और क्या हो सकता है। नदी, तालाब एवम् सागर से होकर गुजरने वाली हवाएँ बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुर्विज्ञान है। तालाब में सिर्फ जल ही नहीं होता, अपितु इसमें लोक दर्शन के तत्त्व भी मौजूद होते हैं। ग्राम्य संस्कृति में लोक व्यवहार एवम् ग्राम्य सूचना के दो ही तो केंद्र हैं - पहला चौपाल, दूसरा तालाब। मंगल उत्सव हो या दारुण-गाथा, चर्चा में तल्लीनता देखी व सुनी जा सकती है। हमारे तालाब की लोक-संस्कृति का ही कमाल है कि हम बिना किसी शुल्क के सूर्य दर्शन व प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ उठा लेते हैं। तालाब हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। हमें इसकी वर्तमान दशा को सुधारना होगा तभी भविष्य में उसकी मौजूदगी का लाभ हम ले सकेंगे।

1(i).

वर्षा जल संचयन के किस पारंपरिक रूप का वर्णन गद्यांश में किया गया है?

- | | |
|----------|------------|
| (A) नदी | (B) तालाब |
| (C) कुआँ | (D) बावड़ी |

1(ii).

गद्यांश में तालाबों के लिए 'तरण-तारिणी' विशेषण का प्रयोग उसकी किस विशेषता को दर्शाने के लिए किया गया है?

- | | |
|---|--|
| (A) बच्चों-बड़ों के तैरने के काम आने की | (B) बड़े-बूढ़ों की बातचीत का आधार स्थल होने की |
| (C) जल-आपूर्ति का प्रमुख स्रोत होने की | (D) धार्मिक रीति-रिवाजों का आधार स्थल होने की |

1(iii).

गद्यांश में रानी सागर, बूढ़ा तालाब और विशाल सागर का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है?

- | | |
|--|--|
| (A) इन तालाबों के रूपाकार से परिचित कराने के लिए | (B) भारतीय संस्कृति में तालाबों की महत्ता दर्शाने के लिए |
| (C) तालाबों की भव्यता का उल्लेख करने के लिए | (D) मध्य भारत की वास्तुकला से परिचित कराने के लिए |

1(iv).

पर्यावरण-संतुलन बनाए रखने में तालाबों की क्या भूमिका है?

1(v).

ग्रामीण संस्कृति में तालाबों का क्या महत्व है?

1(vi).

जल-संचयन एवं जल-संरक्षण के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

1(vii).

हमारे पूर्वज जल-संचयन और संरक्षण के मामले में हमसे अधिक समझदार थे, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

2.

मैं फिर जनम लूँगा फिर मैं इसी जगह आऊँगा उचटती निगाहों की भीड़ में अभावों के बीच लोगों की क्षत-विक्षत पीठ सहलाऊँगा लंगड़ाकर चलते हुए पाँवों को कंधा दूँगा गिरी हुई पद-मर्दित पराजित विवशता को बाँहों में उठाऊँगा। इस समूह में इस अनगिनत अचीन्ही आवाज़ों में कैसा दर्द है कोई नहीं सुनता ! पर इन आवाज़ों को और इन कराहों को दुनिया सुने मैं ये चाहूँगा। मेरी तो आदत है रोशनी जहाँ भी हो उसे खोज लाऊँगा कातरता, चुप्पी या चीखें, या हारे हुआ की खीज जहाँ भी मिलेगी उन्हें प्यार के सितार पर बजाऊँगा मैं कल फिर जनम लूँगा कल फिर आऊँगा।

2(i).

कविता का वक्ता पुनर्जन्म लेने की बात क्यों कर रहा है?

- | | |
|--|--|
| (A) पूर्व जन्म की इच्छाओं की पूर्ति के लिए | (B) सर्वहारा वर्ग को उनके अधिकार दिलाने के लिए |
| (C) मातृभूमि के शत्रुओं से रक्षा करने के लिए | (D) देश का पुनरुद्धार करने के लिए |

2(ii).

कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए: कॉलम-I: 1. कंधा दूँगा, 2. पीठ सहलाना, 3. बाँहों में उठाना; कॉलम-II: i. दर्द बाँटना, ii. सहारा देना, iii. अपना

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (A) (1-ii), (2-iii), (3-i) | (B) (1-iii), (2-ii), (3-i) |
| (C) (1-ii), (2-i), (3-iii) | (D) (1-i), (2-iii), (3-ii) |

2(iii).

'अचीन्ही आवाज़' किनकी हैं?

- | | |
|----------------------|-----------------------------|
| (A) सर्वहारा वर्ग की | (B) स्वतंत्रता सेनानियों की |
| (C) साधारण आदमी की | (D) अपरिचित लोगों की |

2(iv).

काव्यांश में प्रयुक्त 'रोशनी' से क्या अभिप्राय है?

2(v).

काव्यांश में कौन पुनर्जन्म लेने की बात कर रहा है? उसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

2(vi).

कातरता, चुप्पी या चीखों को प्यार के सितार पर बजाने से क्या अभिप्राय है?

3(i).

टी.वी. के संदर्भ में नेट या नेट साउंड से क्या अभिप्राय है? इनकी क्या उपयोगिता है? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)

3(ii).

इंटरनेट पत्रकारिता के कितने रूप हैं? स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)

3(iii).

विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं? इसे तैयार करने की प्रक्रिया का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)

4.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) वर्तमान समय में भारत में हिंदी नेट पत्रकारिता की स्थिति स्पष्ट कीजिए। (ii) आप जया/जयेश हैं। आपके विद्यालय में 7 सितंबर से 14 सितंबर तक 'हिंदी सप्ताह' मनाया गया। स्थानीय समाचार-पत्र में प्रकाशित कराने हेतु इसकी एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए। (iii) आर्थिक पत्रकार को समाचार लेखन करते समय विशेष सावधानी क्यों बरतनी पड़ती है? स्पष्ट कीजिए।

5.

निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: (i) प्राकृतिक आपदाओं का विकराल रूप (ii) जब मैंने अध्यापक/अध्यापिका की भूमिका निभाई (iii) जब पिताजी का स्थानांतरण दुर्गम स्थान में हुआ

6.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (i) चित्रकला, संगीतकला, नृत्यकला की तरह कविता लेखन की कला सिखाई क्यों नहीं जा सकती? (ii) नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों संयोजित किए जाते हैं? उदाहरण सहित लिखिए। (iii) कहानी किसे कहते हैं? इसके तत्त्वों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

7.

फागुन पवन झँकोरे बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा॥ तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा॥ तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा॥ करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू॥ फाग करहिँ सब चाँचरि जोरी। मोहिँ जिय लाइ दीन्हि जसि होरी॥ जाँ पै पियहिँ जरत अस भावा। जरत मरत मोहिँ रोस न आवा॥ रातिहु देवस इहै मन मोरे। लागौं कंत छार जेऊँ तोरे॥ यह तन जारौं छार कै, कहाँ कि पवन उड़ाउ। मुकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरै जहँ पाउ॥

7(i).

फागुन मास की शीत को चौगुना कौन बढ़ा रहा है?

- | | |
|--------------------------------|--------------------|
| (A) वृक्षों से झरने वाले पत्ते | (B) पवन के झोंकौरे |
| (C) वनों की ढाँखें | (D) होली का पर्व |

7(ii).

वृक्षों से झरने वाले पीले पत्तों से विरहिणी नायिका का क्या संबंध है?

- | | |
|--|---|
| (A) विरहिणी की विरह-वेदना को बढ़ा रही हैं | (B) राजा रत्नसेन की याद दिला रही हैं |
| (C) प्रिय मिलन की धूमिल आशाओं को दर्शा रही हैं | (D) उसे अतीत की स्मृतियों में ले जा रही हैं |

7(iii).

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए: कथन: नागमती अपने शरीर को जलाकर राख कर देना चाहती है। कारण: राख के रूप में प्रिय के चरण स्पर्श करने का सौभाग्य प्राप्त करना चाहती है।

- | | |
|---|--|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है। | (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। |

7(iv).

कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए: कॉलम-I: 1. शरीर को जलाकर राख कर देना, 2. वृक्षों से झरे पीले पत्ते, 3. सबका चाँचरि जोर कर खेलना; कॉलम-II: i. रानी नागमती का कांतिहीन शरीर, ii. होली के अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करना, iii. सर्वस्व त्याग और समर्पण की भावना

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (A) (1-i), (2-iii), (3-ii) | (B) (1-iii), (2-i), (3-ii) |
| (C) (1-ii), (2-iii), (3-i) | (D) (1-ii), (2-i), (3-iii) |

7(v).

काव्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन नहीं है -

- | | |
|--|--|
| (A) फागुन आते ही सब रेशमी वस्त्र धारण कर शृंगार करने लगते हैं। | (B) फागुन का प्राकृतिक उल्लास नागमती के दुख को दुगुना कर रहा है। |
| (C) होली का पर्व नायिका की विरह-अग्नि को बढ़ा रहा है। | (D) नागमती दिन-रात राजा रत्नसेन से मिलन की कामना करती है। |

8.

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'बहुत दिनान को' - कवित्त के आधार पर घनानंद की स्थिति का वर्णन कीजिए। (ii) 'वह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली' - पंक्ति में प्रयुक्त 'लता और कली' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (iii) वसंत आगमन पर बनारस शहर की जागृति और चेतना का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।

निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए: यह जन है - गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ? पनडुब्बा - ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा ? यह समिधा - ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा। यह अद्वितीय - यह मेरा - यह मैं स्वयं विसर्जित - यह दीप, अकेला, स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

OR

9(a).

9(b).

मैं जानऊँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ॥ मो पर कृपा सनेहु बिसेषी। खेलत खुनिस न कबहुँ देखी॥ सिसुपन तें परिहरउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू॥ मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हारेहुँ खेल जितावहिं मोही॥

10.

बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को पीढ़ी दी और आँख के इशारे से कुछ देर चुपचाप बैठने को कहा। बड़ी हवेली नाममात्र की ही बड़ी हवेली है। बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया। तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई-झगड़ा शुरू किया। रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया - कहाँ जाती बेचारी ! भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं। नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते ? बड़ी बहुरिया की देह से जेवर खींच-छीनकर बँटवारे की लीला हुई थी। हरगोबिन ने देखी है अपनी आँखों से द्रौपदी चीर-हरण लीला ! बनारसी साड़ी को तीन टुकड़े करके बँटवारा किया था, निर्दयी भाइयों ने। बेचारी बड़ी बहुरिया।

10(i).

गद्यांश में किस खेल के खत्म होने की बात हो रही है?

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------------|
| (A) लोगों की लगने वाली भीड़ के | (B) भाइयों के बीच बैर-भाव के |
| (C) हवेली में लगने वाले तमाशों के | (D) बड़ी हवेली की सुख-समृद्धि के |

10(ii).

'भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं' - कथन के समर्थन में विकल्प है -

- | | |
|--|--|
| (A) बड़ी हवेली का नाममात्र का ही बड़ी रहना | (B) कठिन घड़ी में नौकर-चाकरों का चले जाना |
| (C) बड़े भैया का अचानक मृत्यु को प्राप्त हो जाना | (D) बड़ी बहुरिया से साड़ी और जेवर छीन लेना |

10(iii).

'रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया' - वाक्य में प्रयुक्त 'रैयत' शब्द का अर्थ है -

- | | |
|-------------|-----------|
| (A) प्रजा | (B) राजा |
| (C) जमींदार | (D) महाजन |

10(iv).

'नाममात्र की ही बड़ी हवेली है' - से अभिप्राय है -

- | | |
|---|--|
| (A) बड़ी हवेली की अवस्था जर्जर हो गई है। | (B) बड़ी हवेली में अब कोई नहीं रहता। |
| (C) बड़ी हवेली की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। | (D) बड़ी हवेली की शानो-शौकत खत्म हो गई है। |

10(v).

गद्यांश में 'द्रौपदी - चीर-हरण' प्रसंग का उल्लेख क्यों किया गया है?

- | | |
|---|--|
| (A) महाभारत के प्रसंग से अवगत कराने हेतु | (B) बड़ी बहुरिया की दीन-हीन स्थिति से अवगत कराने हेतु |
| (C) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के साथ हुए अन्याय को दर्शाने हेतु | (D) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के देवों की निर्दयता को दर्शाने हेतु |

11.

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (i) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ में शुक्ल जी के मित्र-मंडली को उर्दूभाषी लोग किस नाम से पुकारते थे और क्यों? (ii) 'चार हाथ' कहानी में मिल मालिक किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है और वह अपनी सफलता के लिए क्या-क्या उपाय करता है? (iii) 'औद्योगीकरण के झंझावात के कारण सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।' - 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए: कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

OR

12(a).

12(b).

पहचानता हूँ उजाड़ के साथी, तुम्हें अच्छी तरह पहचानता हूँ। नाम भूल रहा हूँ। प्रायः भूल जाता हूँ। रूप देखकर प्रायः पहचान जाता हूँ, नाम नहीं याद आता। पर नाम ऐसा है कि जब तक रूप के पहले ही हाज़िर न हो जाए तब तक रूप की पहचान अधूरी रह जाती है। सैकड़ों बार का कचरा-निचोड़ प्रश्न सामने आ गया - रूप मुख्य है या नाम ? नाम बड़ा है या रूप ? पद पहले है या पदार्थ ? पदार्थ सामने है, पद नहीं सूझ रहा है। मन व्याकुल हो गया। स्मृतियों के पंख फैलाकर सुदूर अतीत के कोनों में झाँकता रहा।

13.

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए: (i) 'सूरदास सोच रहा था - रुपए मैंने ही तो कमाए थे, क्या फिर नहीं कमा सकता ?' पाठ में सूरदास द्वारा यह कथन किस संदर्भ में कहा गया? इस कथन के आलोक में सूरदास के चरित्र की विवेचना कीजिए। (ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के कथानक की समीक्षा कीजिए। (iii) आज पर्यावरण की जो स्थिति है उसके लिए 'अपना मालवा खाऊ उजाड़ू' पाठ में किसे उत्तरदायी ठहराया गया है और क्यों? इस विषय में आपका क्या दृष्टिकोण है?

- End of Question Paper -